होटल ताज में आयोजित डीडी कान्क्लेव कितना बदला यूपी में (बाएं से दाएं) दैनिक जागरण के संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल, प्रो .यशवीर त्यागी, औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना, प्रो .एमके अग्रवाल और अजय मिश्र ● जागरण

दुनिया का सबसे बड़ा टूरिस्ट केंद्र बनेगा उत्तर प्रदेश : सतीश महाना

'आत्मनिर्भर बनता उत्तर प्रदेश : दावे और सच' परिचर्चा में औद्योगिक विकास मंत्री ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

जागरण संवाददाता, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कहा कि अयोध्या, कुशीनगर और बाबा काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन के लिए एयरपोर्ट की सुविधा मिलने से यहां पर्यटन बढ़ेगा। उत्तर प्रदेश दुनिया का सबसे बड़ा टूरिस्ट केंद्र बनेगा। महाना होटल ताज में डीडी कान्क्लेव के पहले दिन 'आत्मनिर्भर बनता उत्तर प्रदेश : दावे और सच' परिचर्चा में बोल रहे थे। परिचर्चा में यूपी के विकास की ओर बढ़ते कदम की तस्वीर दिखी।

औद्योगिक विकास मंत्री महाना ने कहा कि समावेशी विकास की परिकल्पना तभी पूरी हो सकती है, जब किसान, श्रमिक और नौजवान समेत हर वर्ग का उत्थान हो। आयकर दाताओं की ओर भी ध्यान देना होगा। यह वही वर्ग है, जिसकी ईमानदारी से दी गई राशि किसी भी सेक्टर के विकास में खर्च होती है। महाना के अनुसार वर्ष 2017 से पहले उद्योगों, उद्योगपतियों का सरकार से समन्वय नहीं था।

पहले उद्योगपतियों के मन में डर था कि यूपी में जाने के बाद सुरक्षित लौटेंगे भी या नहीं? भाजपा ने उनके संसाधन, समन्वय, सुरक्षा और समृद्धि की बात की। अर्थशास्त्री प्रो. यशवीर त्यागी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में युवा शक्ति की बहुलता है। उत्पादक वाले रोजगार देने के लिए उनके कौशल को निखारकर हम बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। अर्थशास्त्री प्रो. एमके अग्रवाल ने कहा कि कृषि, एमएसएमई, ओडीओपी, औद्योगिकीकरण, सोशल सेक्टर के विकास को जोड़कर हम नौकरी ढूंढ़ने वाले प्रदेश की जगह विकास की तरफ बढ़ रहे राज्य की ओर देख रहे हैं। सत्र का संचालन अजय मिश्र ने किया।

एक्सप्रेसवे के किनारे आएगी प्रगति

दैनिक जागरण के संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल ने कहा कि आत्मनिर्भर यूपी की जमीन तैयार हुई है। एमएसएमई का निर्यात 90 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर सवा लाख करोड़ रुपये का हो गया है। एक वर्ग पिछले कुछ साल से उपेक्षित हो रहा है। उसे भी शामिल किया जाना चाहिए। वह आयकर दाता हैं, जिनका राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। किसी भी इंडस्ट्री को लगाने के लिए पहली शर्त बिजली और दूसरी कानून व्यवस्था होती है।

कानून व्यवस्था और बिजली आज मुद्दा नहीं है। आज से 10 साल के भीतर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे जैसे सभी एक्सप्रेसवे के किनारे प्रगति आएगी। वाराणसी जाने के लिए सुलतानपुर हाईवे सीधी रोड है। सुलतानपुर से जौनपुर का रास्ता खराब है। हमको एक्सप्रेसवे और हाईवे को जोड़ने वाले कनेक्टिंग रोड के बारे में भी सोचना होगा। एक जिला कई उत्पाद (ओडीएमपी) की चर्चा भी जरूरी है। मुरादाबाद में बर्तन और कानपुर में लेदर ही नहीं, वहां की होजरी भी अच्छी किस्म की है। लाल इमली जैसी इंडस्ट्री को दोबारा संजीवनी देने की जरूरत है। प्रयागराज से बेंगलुरु की उड़ान शुरू हुई तो वाराणसी का लोड कम हुआ। मेडिकल कालेज बन रहे हैं तो उनके साथ अस्पताल आ रहे हैं। गोरखपुर में आक्सीजन की कमी की घटना के बाद आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति में सुधार हुआ है। हां, हमको सोचना होगा कि बेंगलुरु जैसे शहरों की जगह हमारे बच्चे लखनऊ में क्यों नहीं पढ़ सकते हैं?